

मथुरा-वृंदावन कार्बन न्यूट्रल लक्ष्य 2041

हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने घोषणा की है कि वर्ष 2041 तक मथुरा-वृंदावन को **"शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन"** पर्यटन स्थल बनाया जाएगा।

- यह भारत में किसी पर्यटन स्थल के लिये निर्धारित इस तरह का पहला कार्बन न्यूट्रल मास्टर प्लान होगा।

इस लक्ष्य से संबंधित प्रमुख घोषणाएँ:

- वृंदावन और कृष्ण जन्मभूमि जैसे प्रसिद्ध तीर्थस्थलों के साथ पूरे ब्रज क्षेत्र में पर्यटक वाहनों पर प्रतिबंध रहेगा।
- इन क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन के रूप में उपयोग किये जाने वाले केवल **इलेक्ट्रिक वाहनों** को जाने की अनुमति होगी।
- इस क्षेत्र के कुल 252 जलाशयों और 24 वनों को भी पुनर्जीवित किया जाएगा।
- इस योजना के तहत पूरे क्षेत्र को चार समूहों में विभाजित किया गया है, जिनमें से प्रत्येक के तहत आठ प्रमुख शहरों में से दो को शामिल किया गया है।
 - इसमें 'परकिरमा पथ' नामक छोटे सर्कट बनाना भी प्रस्तावित है जहाँ तीर्थयात्री पैदल या इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग कर जा सकते हैं।
 - यदि तीर्थयात्री एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा करना चाहते हैं तो इसके लिये इलेक्ट्रिक मनी बसों का भी प्रावधान किया गया है।
- मथुरा-वृंदावन का सांस्कृतिक महत्त्व:
 - यमुना नदी के तट पर स्थित मथुरा, भगवान कृष्ण का नविस स्थान है। साथ ही हनुओं के लिये इसका काफी धार्मिक महत्त्व है।
 - यह सबसे प्राचीन तीर्थस्थलों में से एक है।
 - इसका उल्लेख महाकाव्य रामायण में मिलता है। ऐसा माना जाता है कि मथुराकृष्ण राजा कनिष्क (130AD) की राजधानियों में से एक थी।
 - यहाँ पर बाँके बहारी मंदिर, गोविंद देव मंदिर, रंगजी मंदिर, द्वारिकाधीश मंदिर और इस्कॉन (ISKCON) जैसे कुछ प्रसिद्ध मंदिर भी हैं।

शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन:

- इसे कार्बन तटस्थता के रूप में जाना जाता है, जिसका अर्थ यह नहीं है कि कोई देश अपने उत्सर्जन को शून्य पर लाएगा।
- बल्कि, यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें किसी देश के उत्सर्जन की भरपाई वातावरण से **ग्रीनहाउस गैसों** के अवशोषण और हटाने से होती है।
 - इसके अलावा वनों जैसे अधिक कार्बन सक्ति बनाकर उत्सर्जन के अवशोषण को बढ़ाया जा सकता है।
 - जबकि वातावरण से गैसों को हटाने के लिये कार्बन कैप्चर और स्टोरेज जैसी तकनीकों की आवश्यकता होती है।
- 70 से अधिक देशों ने सदी के मध्य तक यानी वर्ष 2050 तक शुद्ध शून्य बनने का दावा किया है।
- भारत ने **COP-26 शिखर सम्मेलन** के सम्मेलन में वर्ष 2070 तक अपने उत्सर्जन को शुद्ध शून्य करने का वादा किया है।

PM MAKES FIVE PLEDGES

- 1 India will increase its non-fossil energy capacity to 500GW by 2030
- 2 India will meet 50% of its energy requirements from renewable energy by 2030
- 3 India will reduce the total projected carbon emissions by one billion tonnes from now to 2030
- 4 By 2030, India will reduce the carbon intensity of its economy by 45% (from a previous target of 35%)
- 5 By 2070, India will achieve the target of net zero

WHAT IS NET ZERO?

Net zero refers to a balance where emissions of greenhouse gases are offset by the absorption of an equivalent amount from the atmosphere. Experts see net zero targets as a critical measure to successfully tackle climate change and its devastating consequences

PLEDGES BY TOP THREE EMITTERS

- CHINA: Beijing announced no new pledges on Monday. It previously pledged net zero by 2060.
- UNITED STATES: The US touted domestic legislation to spend \$555bn to boost renewable power and electric vehicles. It has pledged net zero by 2050.
- INDIA: The country's economy will become carbon neutral by the year 2070

UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्षों के प्रश्न

प्रश्न. 'इच्छति राष्ट्रिय स्तर पर नरिधारति योगदान' शब्द को कभी-कभी समाचारों में कसि संदर्भ में देखा जाता है? (2016)

- (a) युद्ध प्रभावति मध्य-पूरव से शरणार्थियों के पुनरवास के लयि यूरोपीय देशों द्वारा की गई प्रतजिजा
- (b) जलवायु परविरतन का मुकाबला करने के लयि वशिव के देशों द्वारा उल्लखिति कार्य योजना
- (c) एशयिन इन्फरास्ट्रकचर इन्वेस्टमेंट बैंक की स्थापना में सदस्य देशों द्वारा योगदान की गई पूंजी
- (d) सतत् विकास लक्ष्यों के संबंध में दुनयिा के देशों द्वारा उल्लखिति कार्य योजना

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- 'इच्छति राष्ट्रिय स्तर पर नरिधारति योगदान', UNFCCC के तहत पेरसि समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले सभी देशों में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी लाने के लयि व्यक्त की गई प्रतबिद्धता को बताता है ।
- CoP 21 में दुनयिा भर के देशों ने सार्वजनिक रूप से उन कार्रवाइयों की रूपरेखा तैयार की, जनिहें वे अंतर्राष्ट्रीय समझौते के अंतर्गत करयानवयति करना चाहते थे । राष्ट्रिय स्तर पर नरिधारति योगदान पेरसि समझौते के दीर्घकालिक लक्ष्य को प्राप्त करने की दशिा में अग्रसर है जो "वैश्विक औसत तापमान में वृद्धि को 2 डगिरी सेल्सयिस से नीचे रखने के लयि तापमान वृद्धि को 1.5 डगिरी सेल्सयिस तक सीमति करने के प्रयासों को बढ़ावा देता है और इस शताब्दी के उत्तरार्द्ध में नेट ज़ीरो उत्सर्जन लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास करता है ।"

अतः विकल्प (b) सही है ।

??????

प्रश्न. जलवायु परविरतन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (UNFCCC) के पक्षकारों के सम्मेलन (COP) के 26वें सत्र के प्रमुख परिणामों का वर्णन कीजयि । इस सम्मेलन में भारत ने क्या प्रतबिद्धताएँ की हैं? (2021)

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/mathura-vrindavan-carbon-neutral-target-2041>